5th October 2024

Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI No. 2016/1957

Published From
DELHI LUCKNOW BHOPAL BHUBANESWAR RANCHI RAIPUR CHANDIGARH DEHRADUN HYDERABAD VIJAYWADA

Late City Vol. 160 Issue 269
*Air Surcharge Extra if Applicable

OPINION 6
NATO'S EASTWARD MARCH THREATENS ASIAN STABILITY

WORLD 9
JAPAN'S NEW LEADER VOWS STRONGER DEFENCE

MONEY 10
ABOUT 1 PER CENT FALL IN SENSEX, NIFTY AMID TENSIONS IN WEST ASIA

LUCKNOW, SATURDAY OCTOBER 5, 2024; PAGES 12 ₹3

Established 1865

the pioneer

www.dailypioneer.com

NO. 1 IGA SWIATEK PARTS WAYS WITH COACH TOMASZ
12 SPORTS

NSI foundation day celebrated

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The foundation day of National Sugar Institute (NSI) was celebrated with great enthusiasm on Friday. Minister of State (MoS), Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Nimuben Jayantibhai Bambhaniya, Director (Sugar) Sangeet and Director, National Sugar Institute, Dr Seema Paroha were present on this occasion. The programme was inaugurated by garlanding the statue of Maa Saraswati and lighting the lamp. The purpose of this programme was to honour prominent farmers, sugar and distillery industry experts and other stakeholders who have played a significant role in the development and modernisation of the Indian sugar industry. As the premier institute of the country, dedicated to sugar technology and related research since its foundation, NSI has remained a major centre of innovation, training and development in this field. The chief guest, in her address lauded the efforts of the Institute in research, innovation and training. She particularly mentioned the Institute's work in the area of ethanol production and biofuels which are in keeping with the government's future vision of clean and green energy. Since its foundation, the NSI has been playing a vital role in shaping the technological landscape of the Indian sugar industry to new heights. The institute has continuously worked on providing technical expertise, increasing sugarcane yield and developing advanced processing techniques. Now, the institute is recognised for its contribution not only in India but also globally.

On the occasion of foundation day, the foundation stone of the tissue culture lab was laid by the Minister of State amidst chanting of Vedic Mantras. She lauded the leadership and skills of Director of NSI and praised the tireless efforts of the entire team of NSI. Director (Sugar) Sangeet said that the entrepreneurs receiving SHARKARA-SHRI award on this occasion are a proof that the talented students of this institute have brought laurels to it with their excellent performance. He lauded the efforts of the Institute in the field of biofuel and ethanol. The chief guest felicitated leading farmers and industry experts for their exceptional contribution. Various activities like technical sessions, exhibition and student-interaction were organized on this occasion. Director Dr Seema Paroha mentioned about the agreements regarding consultancy and training with 12 countries. She also informed about the MoU with IIT-Kanpur and the steps taken by the institute towards the Centre of Excellence. She thanked the Secretary and Joint Secretary (Sugar), Director (Sugar) for the invaluable patronage of the Ministry. In the foundation day celebrations, Shailendra Kumar Trivedi, Ashok Kumar Garg, Dr Ashok Kumar, Sanjay Chauhan, Anoop Kanaujia, Dr Vinay Kumar, Virendra Kumar, Dr Anantalakshmi, M Mandal, Anoop Kanaujia and Brijesh Kumar Sahu along with other officers, employees and students were present. The programme was conducted by Assistant Director Official Language, Mallika Dwivedi. The vote of thanks was proposed by SK Trivedi, Secretary Old Boys' Association.

दैनिक जागरण

'एक दर्जन से ज्यादा देश हमसे सीख रहे हैं चीनी उत्पादन का तरीका'

- केंद्रीय राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभड़िया ने कहा-अर्थव्यवस्था मजबूती में संस्थान की भूमिका अहम
- ईंधन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ मनाया गया संस्थान का 89 वां स्थापना दिवस

जागरण संवाददाता, कानपुर: केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभड़िया ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डालर की बनाने में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान जैसे संस्थानों की अहम भूमिका है। आज दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देश हमसे चीनी का उत्पादन सीख रहे हैं, यह बड़ी उपलब्धि और गर्व का विषय है। अब भविष्य की ईंधन की जरूरत पूरी करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। वह राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89 वें स्थापना दिवस को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थीं। इस मौके पर उन्होंने गन्ने की गुणवत्ता और चीनी उत्पादन बेहतर करने के लिए गन्ने की नई प्रजातियां विकसित करने को तैयार टिश्यू कल्चर लैब का शिलान्यास किया।

कल्याणपुर स्थित संस्थान में उन्होंने कहा कि विश्व को चीनी उत्पादन व प्रसंस्करण में नवीन वैज्ञानिक विधियां प्रदान करने वाले संस्थान का आज पूरे विश्व में डंका बज रहा है। उन्होंने संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों, विशेष रूप से एथेनाल उत्पादन और जैव ईंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। निदेशक डा. सीमा परोहा ने बताया कि ईंधन पर विदेशी निर्भरता कम करने के उद्देश्य से बायो फ्यूल के उत्पादन तथा तकनीकी तौर पर समृद्ध होने के लिए संस्थान ने आइआइटी कानपुर से एमओयू (समझौतापत्र) साइन किया है। साथ ही उन्होंने केन्या, नाइजीरिया, थाईलैंड, श्रीलंका, नेपाल, चीन, बांग्लादेश, फिलीपींस, आस्ट्रेलिया, म्यांमार, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका आदि 12 देशों के साथ किए गए समझौतों और सेंटर आफ एक्सीलेंस की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। वहीं, इस मौके पर संस्थान के पूर्व छात्र शैलेंद्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, संजय चौहान, अशोक कुमार, अनूप कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

एनएसआइ के स्थापना दिवस समारोह का दीप जलाकर शुभारंभ करतीं उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभड़िया • संस्थान

विशिष्ट सेवाओं के लिए हुए सम्मानित

कानपुर: इस अवसर पर शर्करा उत्पादन और आसवनी उद्योग विशेषज्ञों तथा प्रमुख 17 किसानों को पुरस्कृत किया गया। इसमें पीलीभीत के योगेन्द्र पाल सिंह, सुखदीप सिंह, समस्तीपुर बिहार के संजीव कुमार, कौशल कुमार, पश्चिमी चंपारण के सचिन सिंह, मथुरा पटवारी, हैदरगढ़ के अमर बहादुर वर्मा, विजय प्रताप सिंह, हरिद्वार के तीरथ सिंह, उमेश कुमार, महेश त्यागी, चांदवीर, सत्यप्रकाश मिश्र, विकास वर्मा, कुलदीप कुमार, सुखविंदर सिंह, विमल कुमार पाल को सम्मानित किया गया। इसके अलावा संस्थान से निकले पूर्व छात्रों व इस क्षेत्र में उत्तम कार्य करने वाले डा. राकेश भटनागर, डा. ममता भाटिया तोमर, केपी सिंह, जेपी त्रिपाठी, मुकेश चौहान, संजय कुमार चौधरी, संदीप अग्रवाल, आशुतोष बाजपेयी, एन प्रभाकर, आमोद कुमार शर्मा, प्रदीप खंडेलवाल, अरविंद दीक्षित आदि 12 लोगों को शर्करा श्री पुरस्कार दिए गए।

संस्थान के लक्ष्य

- जैव ईंधन तथा एथेनाल के क्षेत्र में उन्नत तकनीक का प्रयोग कर देश को ईंधन में आत्मनिर्भर बनाना
- उच्च गुणवत्ता युक्त गन्ने की नई प्रजातियां विकसित करना बनने वाले उत्पादों का निर्यात बडे पैमाने पर हो
- देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाना
- कृषि उत्पादों में तकनीक का प्रयोग कर मूल्यवर्धन करना।

एथेनॉल के और विकल्प तलाशें वैज्ञानिक

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। एनएसआई में शुक्रवार को स्थापना दिवस मनाया गया। शुभारंभ उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभनि्या और निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने किया। राज्यमंत्री ने कहा एथेनॉल उत्पादन और जैव ईंधन की मदद से भारत को हरित ऊर्जा का विकल्प दिया जा सकता है। राज्यमंत्री ने टिशू कल्चर लैब का शिलान्यास किया। कहा एथेनॉल उत्पादन के कई और विकल्प तलाशने होंगे।

शुक्रवार को एनएसआई के स्थापना दिवस पर पौधा लगातीं राज्यमंत्री और वैज्ञानिक।

राज्यमंत्री ने कहा वैज्ञानिक बेहतर काम कर रहे हैं। निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा बायो फ्यूल को लेकर आईआईटी के साथ मिलकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है। यहां पर शैलेंद्र कुमार द्विवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक, संजय चौहान, अनूप, डॉ. विनय कुमार रहे।

अमर उजाला

एथेनॉल उत्पादन के तलाशने होंगे विकल्प

एनएसआई के स्थापना दिवस पर शर्करा श्री पुरस्कार से सम्मनित किए गए उद्यमियों के साथ मुख्य अतिथि निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया, निदेशक डॉ. सीमा परोहा व अन्य। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के स्थापना दिवस में बोलीं राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में शुक्रवार को स्थापना दिवस मनाया गया। शुभारंभ उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया और संस्थान की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने किया। राज्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संस्थान में टिशू कल्चर लैब का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि एथेनॉल उत्पादन और जैव ईंधन की मदद से भारत को स्वच्छ और हरित ऊर्जा का विकल्प दिया जा सकता है। एथेनॉल उत्पादन के कई और विकल्प तलाशने होंगे। कार्यक्रम में कई उद्यमी को शर्करा श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्थान की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि बायो फ्यूल को लेकर आईआईटी के साथ मिलकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है। जो पर्यावरण के लिए बड़ा बदलाव साबित होगा। इस मौके पर शैलेंद्र कुमार द्विवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार आदि मौजूद रहे। संचालन मल्लिका द्विवेदी ने किया।

कानपुर, शनिवार 5 अक्टूबर, 2024
**नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपया
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
अधिकतम 35.4 डि.से.
न्यूनतम 23.6 डि.से.
तापमान आर्द्रता- 86-62%
online Edition
www.ajhindidaily.com
आज
105 वां वर्ष गौरवशाली परम्परा

10 राशिद खान
स्टार अफगान स्पिनर ने किया निकाह
पवन कल्याण 12
प्रसाद की शुद्धता के लिए सनातन धर्म सर्टिफिकेट जरूरी

एनएसआई में टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया राज्यमंत्री ने

कार्यक्रम में शामिल राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई, निदेशक सीमा परोहा व अन्य।

कानपुर, 4 अक्टूबर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वें स्थापना दिवस के अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई ने संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र में संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया। राज्यमंत्री ने गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है। राज्यमंत्री ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। श्री संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सम्बंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। इस दौरान शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, श्री संजय चौहान, श्री अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, श्री एम. मंडल, श्री अनूप कनौजिया एवं श्री बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मल्लिका द्विवेदी ने किया।

HINDUSTAN
NEWS EXPRESS

89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

स्थापित – 1948
हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी न्यूज़ एजेंसी

वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की बनी पहचान : निमुबेन जयंतीभाई बाम्भणिया

[illegible]

[illegible]

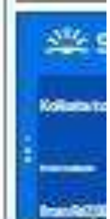

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वां स्थापना दिवस समारोहों का हुआ भव्य आयोजन

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशु-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सम्बंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एसके त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89वां स्थापना दिवस आज

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर 4 अक्टूबर 2024 को अपना 89वां स्थापना दिवस मना रहा है इस गौरवमई कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, होंगी मुख्य अतिथि के साथ संगीत निदेशक, शर्करा, खाद्य तेल एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार भी शिरकत करेंगे इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान में एक अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया जाना प्रस्तावित है साथ ही संस्थान के पूर्व छात्रों को उनके द्वारा

शर्करा एवं आसवनी उद्योग को दिये गये उल्लेखनीय योगदान के लिये मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा शर्कराश्री पुरस्कार एवं देश के प्रगतिशील गन्ना उत्पादक किसानों को भी सम्मानित किया जाना सुनिश्चित किया गया है

दैनिक जागरण 04.10.2024

बायोफ्यूल का एक्सीलेंस सेंटर बनने की तैयारी में एनएसआइ

स्थापना का 89 वां दिवस आज मनाएगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

जासं, कानपुर : बीते दशक में चीनी उत्पादन व प्रसंस्करण में अत्याधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विधियों को देने वाले राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का आज पूरे विश्व में डंका बज रहा है। दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देश संस्थान से चीनी उत्पादन के तरीके सीख रहे हैं। अपना 89 वां स्थापना दिवस मना रहा संस्थान अब जैविक ईंधन अनुसंधान का एक्सीलेंस सेंटर बनने के लिए तैयार है। शुक्रवार को केंद्र सरकार की राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संस्थान में टिशू कल्चर लैब समेत विभिन्न सुविधाओं के विकास की नींव रखने आ रही हैं।

आजादी से पहले चार अक्टूबर 1936 में जब संस्थान की नींव पड़ी तो यह हरकोर्ट बटलर टेक्निकल इंस्टिट्यूट का चीनी अनुभाग हुआ करता था। जो उत्तर प्रदेश में चीनी उद्योग विकास की लाइसेंसिंग व सलाह एजेंसी थी। 1936 में चीनी अनुभाग को 'इंपीरियल इंस्टीट्यूट आफ शुगर टेक्नोलाजी' का नाम दिया गया। देश आजाद हुआ तो भारत सरकार ने 1957 में संस्थान का नाम बदलकर 'राष्ट्रीय शर्करा संस्थान' कर दिया और कल्याणपुर में कैंपस की जगह भी दे दी गई। 2014 के पहले तो संस्थान की हालत बहुत खराब हो चली थी। इसे देश व प्रदेश के चीनी संगठनों को सौंपने की कवायद भी की गई। बीते दस साल में संस्थान ने अपने स्वरूप में बदलाव किया और चीनी उत्पादन, प्रसंस्करण और प्रदूषण कारी स्थितियों को नियंत्रित करने की ठोस पहल की। इसका परिणाम भी सुखद रहा जब संस्थान ने भारत की चीनी मिलों की दशा सुधारने में मदद की। उत्पादन प्रक्रिया सुधरी और चीनी मिलों की उत्पादन लागत और मूल्यों का निर्धारण भी किया गया। विदेश की चीनी मिलों और संगठनों को भी संस्थान ने पिछले वर्षों में विशेषज्ञ सेवाएं दी हैं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ● फाइल फोटो

जैविक ईंधन का एक्सीलेंस सेंटर बनेगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, और खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम कर रहे संस्थान में अभी शर्करा रसायन विज्ञान, शर्करा प्रौद्योगिकी, शर्करा इंजीनियरिंग और संबद्ध क्षेत्रों की सभी शाखाओं में तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, लेकिन अब संस्थान अपना स्वरूप बदलने की दिशा में है। चीनी मिलों को विशेषज्ञ सलाह देने के साथ ही संस्थान अब जैविक ईंधन का एक्सीलेंस सेंटर बनने जा रहा है। केंद्र सरकार से मिले इस प्रोजेक्ट के तहत आइआइटी कानपुर भी संस्थान का साझीदार है। केंद्र सरकार की राज्यमंत्री शुक्रवार को इस सिलसिले में ही एक टिशू कल्चर लैब की स्थापना की नींव रखने वाली हैं। संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने बताया कि संस्थान में आधारभूत संरचना विकास के लिए कई परियोजनाओं को राज्य मंत्री शुरु करने वाली हैं। स्थापना दिवस के दौरान शर्करा श्री व अन्य सम्मान भी दिए जाएंगे।

89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

स्थापना से एनएसआई भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी को नई ऊंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है: मंत्री बांभागिया

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89वां स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया संगीत, निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रो. डॉ. सीमा परोहा ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकी करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी व संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवइ्ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है। संस्थान न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर

अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है ।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। राज्य मंत्री ने उद्बोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। श्री संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की ।

संस्थान की निदेशक डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा मल्लिका द्विवेदी ने किया।

89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

- स्थापना से एनएसआई भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी को नई ऊंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है: मंत्री बांभागिया
- एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन पर संस्थान के कार्यों से स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित: राज्य मंत्री

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89वां स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया संगीत, निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रो. डॉ. सीमा परोहा ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी व संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवइंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है। संस्थान न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। राज्य मंत्री ने उद्बोधन में, चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। श्री संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। संस्थान की निदेशक डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान चीनी उद्योग के लिए निभा रहा अहम भूमिका

- केन्द्रीय मंत्री ने किया टिश्यू कल्चर लैब का शिलान्यास
- किसानों को किया सम्मानित

स्वतंत्र भारत संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वें स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक प्रो सीमा परोहा और मुख्य अतिथ ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने संस्थान के अनुसंधान, नवाचार व प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एथेनॉल उत्पाद और जैव-ईंधन के क्षेत्र में संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया, जिनमें सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण से समाहित है।

अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान चीनी उद्योग के क्षेत्र में नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री ने ढाई करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली टिश्यू कल्चर लैब का शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान शर्करा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वालों को जहां सम्मानित किया गया। वहीं बेहतर गन्ना उत्पादक वाले किसानों को भी मंच पर केंद्रीय मंत्री ने सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया। संस्थान की निदेशक सीमा परोहा ने कहा कि लगभग 12 देशों के साथ परामर्श व प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान बढ़ रहा है। समारोह में शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ अशोक कुमार, संजय चौहान, ब्रजेश कुमार साहू समेत कई लोग मौजूद रहे।

अब गन्ने की फसर को तैयार करना होगा आसान

विशेषज्ञों का कहना है कि इस लैब की मदद से अब गन्ने की फसल को तैयार करना बहुत आसान हो जाएगा। लैब द्वारा बंपर बीज उत्पादन की दिशा में कवायद होगी। अभी तक किसान परंपरागत तरीके से 5 साल में 150 हेक्टेयर एरिया में गन्ना उगाते थे, लेकिन टिश्यू कल्चर विधि से यह एरिया उक्त अवधि में चार हजार हेक्टेयर तक बढ़ जाएगा। बताया कि गन्ने की जो नोबल प्रजाति दुनिया भर में जानी जाती रही हैं, वह 238 वैरायटी है। हलांकि साल 2014 से यह वैरायटी उप्र, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से धीरे-धीरे विलुप्त सी हो रही है। इसका एक बड़ा कारण है, इस वैरायटी में लाल सड़न रोग का लगना। जिसे गन्ने का कैंसर कहा जाता है। विशेषज्ञों ने कहा कि अब हमें इस वैरायटी के स्थान पर अन्य वैरायटी को तैयार करना है। जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके।

89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

■ स्थापना से एनएसआई भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी को नई ऊंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है: मंत्री बांभागिया

■ एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन पर संस्थान के कार्यों से स्वच्छ और हरित ऊर्जा केंद्रष्टिकोण समाहित:राज्य मंत्री

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89वां स्थापना दिवस में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया संगीत, निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रो. डॉ. सीमा परोहा ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग–विशेषज्ञों और हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी व संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवदृईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यो का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है। संस्थान न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है । स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू–कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। राज्य मंत्री ने उदबोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। श्री संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । संस्थान की निदेशक डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा मल्लिका द्विवेदी ने किया।

दैनिक तस्वीर आजकल

कानपुर शनिवार,5 अक्टूबर 2024

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89 वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

दैनिक तस्वीर आजकल

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत , निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि, राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवद्धईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है । यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है । स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीया राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक महोदया की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से संबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया। स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का देश की तरक्की में बड़ा योगदान। केंद्रीय राज्य मंत्री

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉ. कृष्ण मोहन त्रिपाठी

टिशू-कल्चर लैब का का किया शिलान्यास। केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, मुख्य अतिथि के सान्निध्य में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के

89 वां स्थापना दिवस समारोह का हुआ भव्य आयोजन। इस अवसर पर 17 किसानों तथा शर्करा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले राकेश भटनागर(बायो टेक्नोलॉजी) जो कि नेशनल साइंस चेयर हैं तथा ममता तोमर (पानी का शोधन बिना इलेक्ट्रिसिटी इस्तेमाल के), सहित कई लोगों को "शर्करा श्री"से किया सम्मानित। एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री ने वर्तमान डायरेक्टर डॉ सीमा मिश्रा परोहा के कार्यों से संतुष्ट दिखी तथा उन्होंने कहा की सरकार राष्ट्रीय शर्करा संस्थान को विकास की दिशा में और आगे बढ़ाएगी तथा फैकल्टी की कमी और शोध के क्षेत्र में प्रश्न पूछे जाने पर उन्होंने कहा जल्द ही हम बैठकर इस समस्या का भी निराकरण करेंगे उन्होंने प्रथम महिला डायरेक्टर तथा संस्थान के कर्मचारियों को आई आई टी से जैव ईंधन पर ए एम यू साइन करने पर, बधाई दी। इस अवसर पर संगीत जी निदेशक,राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमामिश्रा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन से हुआ।इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है- अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है । यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है। राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की उनका कहना था कि संस्थान के पास पर्याप्त जगह है जहां पर गन्ने का उत्पादन किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा मिश्रा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार वक्त किया। स्थापना दिवस समारोह में श्री शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, श्री अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, श्री संजय चौहान, श्री अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, श्री वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, श्री एम. मंडल, श्री अनूप कनौजिया एवं श्री बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने किया। एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। मीडिया प्रभारी अखिलेश पांडे रहे मौजूद

अमन यात्रा
जालौन/हमीरपुर/औरैया/फतेहपुर/चंदौली

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने धूमधाम से मनाया 89 वां स्थापना दिवस

राज्य मंत्री निमुबेन जयंती बाई बांभणिया ने दी शुभ कामनाएं

सुशील त्रिवेदी

कानपुर देहात,अमन यात्रा। राज्य मंत्री, मुख्य अतिथि के सान्निध्य मे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के

89 वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, श्री संगीत जी, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं

आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मुख्य अतिथि, माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के

स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वां स्थापना दिवस समारोहों का हुआ भव्य आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्दीप प्रज्वलन कर किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के

अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वरिंद्र कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एसके त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

कानपुर में बनेगा टिश्यू कल्चर लैब, किसानों के लिए फायदेमंद - Tissue Culture Lab

For All Latest Updates

National शर्करा संस्थान की देश ही नहीं विदेशों में है पहचान

R 5 SAMACHAR LIVE
समाचार, एवं विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें-
80901 81844

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के द्वारा शस्त्र एवं शास्त्र पूजन कर विशाल महासम्मेलन आयोजित

कानपुर

336 x 280

सम्मेलन की आयोजक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विभाग की संयोजक अनीता गंगवार सुधा सिंह सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थिति थीं।

के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को तकनीकी दक्षता एवं

'एथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में एनएसआई के कार्य उल्लेखनीय'

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा ने एथेनॉल उत्पादन और जैव ईंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये हैं, जिनमें सरकार के भविष्य स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित हैं। यह बात शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वें स्थापना दिवस के मौके पर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया ने कही।

उन्होंने कहा कि स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र में तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीक के विकास पर काम किया है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है। स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य मंत्री ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशूकल्चर लैब का शिलान्यास किया। इस मौके पर संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्रवार्ता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

एनएसआई के स्थापना दिवस पर किसानों व उद्योग विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीबाई बांभणिया, साथ में निदेशक प्रो. डॉ. सीमा परोहा व अन्य। फोटो : एसएनबी

NRD नगराज दर्पण My City

कानपुर 8

शनिवार, 05 अक्टूबर 2024

जैविक ईंधन का एक्सीलेंस सेंटर बनेगा शर्करा संस्थान

➪राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89 वें स्थापना दिवस पर टिशू-कल्चर लैब का हुआ शिलान्यास

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर । चीनी उत्पादन में अत्याधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विधियों को देकर विश्व में अपनी प्रतिभा का डंका बजवाने वाले राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने शुक्रवार को अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा ने कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि ने अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र में संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमें सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र में तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य मंत्री ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया । अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया।

इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया शर्करा संस्थान की निदेशक डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी,अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार,संजय चौहान,अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार,वीरेंद्र कुमार, डॉ.अनंतलक्ष्मी,एम.मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मल्लिका द्विवेदी ने किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89वां स्थापना दिवस होगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर 4 अक्टूबर 2024 को अपना 89वां स्थापना दिवस मना रहा है इस गौरवमई कार्यक्रम की मुख्य अतिथि निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, होंगी मुख्य अतिथि के साथ संगीत निदेशक, शर्करा, खाद्य तेल एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार भी शिरकत करेंगे इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान में एक अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त टिशू–कल्चर लैब का शिलान्यास किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही संस्थान के पूर्व छात्रों को उनके द्वारा शर्करा एवं आसवनी उद्योग को दिये गये उल्लेखनीय योगदान के लिये मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा "शर्कराश्री" पुरस्कार एवं देश के प्रगतिशील गन्ना उत्पादक किसानों को भी सम्मानित किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

चेतना विचारधारा

धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का स्थापना दिवस

विचारधारा समाचार सेवा

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवझईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है । यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है । स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, श्री वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, श्री एम. मंडल, श्री अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने किया।

का

कर ली दुनियां मुट्ठी में

62 प

राज्यपाल के

3

खिले म

विचारधारा समाचार सेवा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में आज कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 26वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 62 मेधावियों को पदक एवं पुरस्कार दिए गए। कुल 601 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 14 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक , 14 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र छात्राओं को विश्वविद्याल कांस्य पदक एवं 21 छात्र छा ाओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक

नवाजा गया। प्रदेश क और कुलाधिपति श्रीमत पटेल, मुख्य अतिथि गेहूं एवं मक्का शोध के के महानिदेशक डॉक्टर

सीएसए का दीक्षांत समारो संपन्न

और विशिष्ट अतिथि श्र शाही मा. मंत्री कृषि,कृ अनुसंधान उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय के कुल आनंद कुमार सिंह को पदक दिए। इस धारकों की तस्वीर ...एवं अतिथियों ...र पर एव ...छात्राअ ...र अंत

ज्ञान, तपस्या, और वैराग्य की देवी है मां ब्रह

राज्य मंत्री निमुबेन जयन्तीबाई ने N.S.I.के 89 वां स्थापना दिवस पर टिशु कल्चर लैब का किया शिलान्यास

ग्रामीण सुबह-
कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89 वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण व द्वीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है । स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक महोदया की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई.आई.टी.कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार वक्त किया। स्थापना दिवस समारोह में श्री शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, श्री अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, श्री संजय चौहान, श्री अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, श्री वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, श्री एम. मंडल, श्री अनूप कनौजिया एवं श्री बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

स्वतंत्र चेतना
कानपुर नगर @ चेतना
कानपुर,शनिवार 5 अक्टूबर , 2024

धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का स्थापना दिवस

कर ली दुनियां मुट्ठी में 62 पदक और 601 उपाधियां की गयीं वितरित

राज्यपाल के हाथों पदक पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

दीक्षांत का 26वां दीक्षांत समारोह हुआ संपन्न

सुरक्षा उपकरण न देकर जीवन से खिलवाड़, 13 सूत्रीय मांगो पर धरना प्रदर्शन

ज्ञान, तपस्या, और वैराग्य की देवी है मां ब्रह्मचारिणी .....

महिलाओं को आकर्षित कर रहीं फिरोजाबाद की

एनएसआई ने भारतीय चीनी उद्योग के विकास में अहम भूमिका निभाई

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के 89वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

डीटीएनएन । कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मुख्य अतिथि, राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है । यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है ।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीया राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान निदेशक के नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। संगीत निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से संबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया।

स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

सत्य का असर समाचार पत्र

05,10, 2024jksingh,hardoi agmail com मोबाइल नंबर 9956834016

जितेंद्र सिंह पटेल पत्रकार

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन

जितेंद्र सिंह पटेल पत्रकार सत्य का असर समाचार पत्र

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा स्थापना दिवस *बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर* माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया संगीत जी, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी कि प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि, माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है । अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है । यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है।स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीया राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। माननीया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में , चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक महोदया की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। श्री संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की । मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया। स्थापना दिवस समारोह में श्री शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, श्री अशोक कुमार गर्ग , डॉ. अशोक कुमार, श्री संजय चौहान, श्री अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, श्री वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंतलक्ष्मी, श्री एम. मंडल, श्री अनूप कनौजिया एवं श्री बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति श्री एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। अखिलेश कुमार पांडेय मुख्य अभिकल्प राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपु मोबाईल न. 9984364957

स्वतंत्र प्रभात
05 Oct 2024 - Page 5

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का 89वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

● -संस्थान के पूर्व छात्रों जिन्होंने देश से लेकर विदेशों तक ऊंचा मुकाम हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है उन्हें संस्थान की तरफ से सम्मानित किया गया।

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का 89 वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह से मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्ध और सामाजिक वितरण मंत्रालय निमुबेन जयंतीभाई बाभणिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंती भाई बांभणिया, संगीत जी, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मुख्य अतिथि, केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिसमें सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है।

स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में, चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि

आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. -कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी द मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचि एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेश (शर्करा) के लिए आभार वक्त किय स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुम त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशो कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिय डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, उ अनंतलक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजि एवं बृजेश कुमार साहू सहित अ अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छा छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचाल सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लि द्विवेदी ने किया। सभी गणमान्य व्यक्तिय सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों प्रति एस. के. त्रिवेदी, सचिव ओर ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञाप दिया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने नये आयाम स्थापित किए हैं - डॉ. सीमा

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89 वें स्थापना समारोह के अवसर पर संस्थान की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि आज बड़े ही हर्ष का विषय है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर ने नये आयाम स्थापित किए हैं। स्थापना दिवस समारोह में आज हमने विभिन्न विभिन्न जगहों से ऐसे 17 किसानों को आमंत्रित कर सम्मानित किया है जिन्होंने गन्ने की पैदावार में कीर्तिमान स्थापित किए हैं, डॉ. सीमा ने कहा कि इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर बहुत से लोगों ने देश विदेश में अच्छे मुकाम हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है, आज हमने उनको भी सम्मानित किया है। उन्होंने बताया कि आज एक टिश्यू कल्चर लैब का भी शिलान्यास किया गया है जहां हम अच्छी पैदावार के लिए गन्ने के बीज का उत्पादन करेंगे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वां स्थापना दिवस समारोह का हुआ भव्य आयोजन

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)
कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीता निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग–विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मुख्य अतिथि, राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवदृईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है। अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनिकियों के विकास पर काम किया है। यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीया राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू–कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया। माननीया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में, चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक महोदया की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी–भूरी प्रशंसा की। श्री संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र–वार्ता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आई. आई. टी. –कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी। मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार वक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया। स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, अखिलेश कुमार पांडेय आदि समस्त लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वां स्थापना दिवस समारोहों का हुआ भव्य आयोजन

हिन्दुस्तान का इतिहास
कानपुर-राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, संगीत, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रन्वलन कर किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू–कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार वक्त किया स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एसके त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज़ एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89वां स्थापना दिवस समारोहों का हुआ भव्य आयोजन

भोर वैभव । दीपक गौड़

कानपुर । राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई यांभणिया, संगीत, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रौशन किया है उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सम्बंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया सभी गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति एसके त्रिवेदी, सचिव ओल्ड ब्वायज एसोसिएशन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

जेपी त्रिपाठी कानपुर में 'शर्करा श्री' से सम्मानित

नांगल सोती (बि.टा.)। बरकातपुर चीनी मिल की डिस्टलरी के उपाध्यक्ष एवं हेड को कानपुर में भारत सरकार द्वारा शर्कराश्री सम्मान से सम्मानित किये जाने पर मिल प्रशासन में खुशी का माहौल है। डिस्टलरी प्रशासन ने बीते वर्ष भारत सरकार के साथ हुए 100 करोड़ के एमओयू को 11 माह में ही पूर्ण कर दिया था। उत्तम शुगर मिल्स बरकातपुर के संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह राठौर ने बताया कि मिल की आसवनी(डिस्टलरी) के उपाध्यक्ष जेपी त्रिपाठी को शुक्रवार को भारत सरकार द्वारा कानपुर में शर्कराश्री सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की राज्यमंत्री नीमूबेन जयंतीभाई बांभणिया द्वारा कानपुर के राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में दिया गया। पुरस्कार , राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की निदेशक सीमा प्रोहा, भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव, आबकारी आयुक्त,चीनी उद्योग से सम्बन्धित वरिष्ठ अधिकारियों, अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में दिया गया। बरकातपुर चीनी मिल की डिस्टलरी को भारत सरकार द्वारा यह सम्मान एथनॉल उत्पादन के लक्ष्य को पूर्ण करने पर प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश में स्थापित आसवनियों के दो व्यक्तियों को आसवनियों के क्षमता विस्तारीकरण, एथनॉल उत्पादन, दुर्घटना रहित उद्योग संचालन तथा प्रदूषण मानकों के अनुरूप कार्य करने एवं क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के योगदान हेतु यह सम्मान दिया गया। नरपत सिंह राठौर ने बताया कि भारत सरकार के साथ फरवरी, 2023 में हुए 100 करोड़ के एमओयू को जे. पी. त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में 11 माह में ही पूर्ण कर आसवनी की क्षमता वृद्धि कर संचालित कर दिया गया था।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान,कानपुर के 89 वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन संपन्न

राष्ट्रीय जजमेंट

कानपुर नगर आपको बता दें कानपुर नगर के शहर में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंती भाई बांभणिया, संगीत जी, निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन प्रमुख किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित करना था, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि, माननीया राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की । उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैवझईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 89 वें स्थापना दिवस समारोह का हुआ भव्य आयोजन

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस अवसर पर राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, निमुबेन जयंतीभाई बांभणिय, संगीत निदेशक (शर्करा) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की निर्देशिका प्रोफेसर डॉ. सीमा परोहा उपस्थित रही कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। किसानों, शर्करा एवं आसवनी उद्योग-विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने भारतीय चीनी उद्योग के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी स्थापना के समय से ही शर्करा प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुसंधान के लिए समर्पित देश के प्रमुख संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान इस क्षेत्र में नवाचार, प्रशिक्षण और विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, ने अपने सम्बोधन मे संस्थान के अनुसंधान, नवाचार और प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना की उन्होंने विशेष रूप से एथेनॉल उत्पादन और जैव-ईंधन के क्षेत्र मे संस्थान के उन कार्यों का उल्लेख किया जिनमे सरकार के भविष्य के स्वच्छ और हरित ऊर्जा के दृष्टिकोण समाहित है अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भारतीय चीनी उद्योग के क्षेत्र मे तकनीकी परिदृश्य को नई ऊंचाई और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। संस्थान ने लगातार तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने, गन्ने की उपज बढ़ाने और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकियों के विकास पर काम किया है यह संस्थान आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर अपने योगदान के लिए पहचाना जाता है स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर राज्य मंत्री के कर कमलों द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच टिशू-कल्चर लैब का शिलान्यास किया गया राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में चीनी और संबद्ध उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श सेवाओं में विशेषज्ञता प्राप्त, एक प्रमुख संस्थान के रूप में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के भूमिका की सराहना की और कहा कि अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय शर्करा संस्थान भारतीय चीनी उद्योग के तकनीकी परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है उन्होंने, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक की नेतृत्व क्षमता एवं कौशल की सराहना करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की संगीत जी निदेशक (शर्करा) ने कहा कि आज के इस अवसर पर शर्करा श्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले उद्यमी इस बात का प्रमाण है कि संस्थान से निकले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट कार्य सम्पादन से संस्थान का नाम रोशन किया है उन्होंने जैव ईंधन तथा इथेनॉल से सबंधित क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों की सराहना की मुख्य अतिथि द्वारा, अग्रणी किसानों और उद्योग विशेषज्ञों को उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे तकनीकी सत्र, प्रदर्शनी एवं छात्र-वार्ता का आयोजन किया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक, डॉ.सीमा परोहा ने लगभग 12 देशों के साथ परामर्श एवं प्रशिक्षण के संबंध में समझौतों का उल्लेख किया। साथ ही आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन होने तथा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की दिशा में संस्थान के बढ़ते हुए कदमों की जानकारी दी मंत्रालय के अमूल्य संरक्षण के लिए सचिव एवं संयुक्त सचिव (शर्करा), निदेशक (शर्करा) के लिए आभार व्यक्त किया स्थापना दिवस समारोह में शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अशोक कुमार गर्ग, डॉ. अशोक कुमार, संजय चौहान, अनूप कनौजिया, डॉ. विनय कुमार, वीरेंद्र कुमार, डॉ. अनंत लक्ष्मी, एम. मंडल, अनूप कनौजिया एवं बृजेश कुमार साहू सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा, मल्लिका द्विवेदी ने किया।

Digital News

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने अपना स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया।
- 89वां स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन
- धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 89 वां स्थापना दिवस समारोह
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का 89वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ
- रिर्पोट, नेशनल शुगर इन्स्टीट्यूट ने मनाया 89th फाउंडेशन डे/मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री/डॉ.